- कैनो स्लैलम- तेज बहाव वाली नदी में नाव चलाना, संतुलन, गति और रणनीति की चुनौती।
- कयाक में सिंगल-ब्लेड चप्पू से गेट्स पार करना होता है।
- ओलंपिक में शामिल, 90-110 सेकंड में 25 गेट पार करना लक्ष्य।
- तेज़ी, तकनीक और मानसिक एकाग्रता बढ़ाने वाला रोमांचक वाटर स्पोर्ट।

कैनो स्लैलमः रोमांचक वाटर स्पोर्ट, जिसमें तेजी, संतुलन और रणनीति का अनोखा मिश्रण

नई दिल्ली ओलंपिक में खेले जाने वाले रोमांचक वाटर स्पोर्ट्स में कैनो स्लैलम भी शामिल है, जिसमें खिलाड़ी (कयाक) तेज बहाव वाली नदी में बने कृत्रिम या प्राकृतिक गेट्स के बीच से नाव चलाते हैं। इस खेल में संतुलन, गति और दिशा नियंत्रण बेहद जरूरी होता है। कयाक कम समय में बिना गलती गेट पार कर जीत हासिल करता है।

इस खेल में कैनो एक छोटी नाव को कहते हैं, जिसमें कयाक घुटनों के बल बैठकर सिंगल-ब्लेड चप्पू का इस्तेमाल करता है।

कैनो स्लैलम की शुरुआत 1930 में स्विट्जरलैंड में हुई थी, लेकिन उस समय में यह प्रतियोगिता शांत पानी (फ्लैटवाटर) में होती थी। साल 1946 में इंटरनेशनल कैनो फेडरेशन (आईसीएफ) का गठन हुआ और करीब 3 साल बाद साल 1949 में पहली वर्ल्ड चैंपियनशिप आयोजित की गई।

1960 और 1970 के बीच कृत्रिम व्हाइट वाटर कोर्स का निर्माण हुआ। 1970 के दशक में नाव को हल्का और तेज बनाने के लिए %केवलर% और %कार्बन फाइबर% का इस्तेमाल शुरू हुआ। 1972 म्यूनिख ओलंपिक में पहली बार कैनो स्लैलम को प्रदर्शनी खेल के रूप में शामिल किया गया। 1992 ओलंपिक गेम्स में यह मेडल गेम बना।

2016 रियो ओलंपिक तक इसमें चार इवेंट थे, जिनमें सी-1 कैनो, के-1 कायक, सी-2 कैनो (मेंस डबल्स) और के-1 कायक (विमेंस) शामिल थे। इसके बाद 2020 टोक्यो ओलंपिक में सी-2 को विमेंस सी-1 प्रतियोगिता में बदल दिया गया। आज के दौर में 300 मीटर तक की दूरी वाले कोर्स इस तरह पूरे किए जाते हैं कि प्रमुख एथलीट्स 90-110 सेकंड के बीच पूरा कर सकें। इस दौरान अधिकतम 25 अपस्ट्रीम (पानी की धारा के विपरीत) और डाउनस्ट्रीम (पानी की धारा की दिशा में) को कम से कम समय में पार करना होता है।

एक गेट (नदी के ऊपर लटकते हुए डंडे) को छूने के लिए टाइम पेनाल्टी दो सेकंड होती है, जबकि एक गेट छूट जाए या उसे गलत दिशा से पार किया जाए, तो 50 सेकंड की पेनाल्टी लगती है।

एक्सट्रीम कायक में चार प्रतियोगी पानी से दो मीटर से अधिक ऊपर मौजूद स्टार्ट रैंप से स्लाइड करते हैं। इस दौरान गेट और अन्य नावों के साथ संपर्क होने पर पेनाल्टी नहीं लगती, लेकिन गेट चूक जाने या कोर्स पर कायक रोल नहीं कर पाने की स्थिति में एथलीट को अयोग्य करार दिया जाता है।

कैनो स्लैलम में तेजी, संतुलन और रणनीति का अनोखा मिश्रण है, जिससे एथलीट्स की तकनीकी क्षमता में सुधार हुआ है। इसके अलावा, इस खेल ने फिटनेस और मानसिक एकाग्रता को भी बढ़ावा दिया। ओलंपिक खेल में शामिल होने के बाद इसकी वैश्विक पहचान और भी बढ़ी, जिससे कई देशों में इसकी ट्रेनिंग और सुविधाओं का विकास हुआ।

पीएसएलः जिसने खेला सिर्फ 1 इंटरनेशनल टी20 मैच, उसे हैदराबाद किंग्समेन ने बनाया कप्तान

नई दिल्ली। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में मार्नस लाबुशेन को हैदराबाद किंग्समेन फ्रेंचाइजी का कप्तान नियुक्त किया गया है। लाबुशेन इस साल पीएसएल टीम के कप्तान बनने वाले तीसरे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हैं। उनसे पहले कराची किंग्स ने डेविड वॉर्नर और मुल्तान सुल्तांस ने एश्टन टर्नर को अपना कप्तान बनाया था।

लाबुशेन टी20 सर्किट में नियमित खिलाड़ी नहीं हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की ओर से सिर्फ 1 ही टी20 मैच खेला है। लाबुशेन मुख्य रूप से टॉप-ऑर्डर के बल्लेबाज हैं, लेकिन ऑफ स्पिन या मीडियम पेस गेंदबाजी भी कर सकते हैं। उन्होंने 59 टी20 मुकाबलों में 40 विकेट निकाले हैं।

दाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने बिग बैश लीग में 31 मुकाबले खेले, जिसमें 22.96 की औसत के साथ 643 रन बनाने के साथ 13 विकेट हासिल किए। वहीं, वाइटैलिटी ब्लास्ट में 27 मुकाबले खेलते हुए 32 की औसत के साथ 736 रन बनाए। इस लीग में उन्होंने 27 विकेट भी निकाले हैं।

हैदराबाद किंग्समेन पाकिस्तान सुपर लीग में शामिल होने वाली दो नई टीमों में से एक है। किंग्समेन की टीम में कप्तानी के अनुभव वाले खिलाड़ियों की कमी थी, इसलिए कप्तान के तौर पर किसी एक खिलाड़ी का नाम सबसे आगे नहीं था। ग्लेन मैक्सवेल, कुसल परेरा और सईम अयूब जैसे बड़े नाम भी टीम में शामिल थे, लेकिन लाबुशेन को आखिरकार टीम की

कप्तानी सौंपी गई।

लाबुशेन हमवतन जेसन गिलेस्पी के साथ मिलकर काम करेंगे। गिलेस्पी को फ्रेंचाइजी का हेड कोच बनाया गया है। इससे पहले वह टेस्ट क्रिकेट में पाकिस्तान के हेड कोच रह चुके हैं। ग्रांट ब्रैडबर्न को टीम का फील्डिंग कोच नियुक्त किया गया है।

पाकिस्तान सुपर लीग 2026 की शुरुआत 26 मार्च से होगी, जिसमें हैदराबाद किंग्समेन का सामना लाहौर कलंदर्स से होगा। इसके बाद किंग्समेन 29 मार्च को क्वेटा ग्लैडिएटर्स के सामने होगी। 1 अप्रैल को इस टीम का सामना मुल्तान सुल्तांस से होगा। इसके बाद 8 अप्रैल को उसके सामने पेशावर जाल्मी होगी। 11 अप्रैल को किंग्समेन की भिड़ंत कराची किंग्स से होगी। इस लीग का फाइनल 3 मई को लाहौर में खेला जाना है।

पैरा साइकिलिस्ट प्रवीण कुमार एशियाई चैंपियनशिप में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

नोएडा। पैरा साइकिलिस्ट प्रवीण कुमार फिलीपींस में 25 मार्च से शुरु होने वाली एशियाई चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

प्रवीण कुमार 22 मार्च को दिल्ली से फिलीपींस के लिए रवाना होंगे। यह चैंपियनशिप 25 से 31 मार्च 2026 तक टैगायटे शहर स्थित टैगायटे सिटी वेलोड्रोम में आयोजित होगी। यह वेलोड्रोम फिलीपींस का पहला यूसीआई मानकों पर आधारित इनडोर साइक्लिंग ट्रैक है। करीब इकतीस वर्षों बाद फिलीपींस इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है, जिसमें जापान, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, चीन, भारत और मेजबान देश के शीर्ष पैरा साइकिलिस्ट भाग लेंगे।

मंगलवार को एक निजी कार्यक्रम में पहुंचे पैरा साइकिलिस्ट प्रवीण कुमार के बारे में आयोजकों ने बताया हाल ही में हैदराबाद में हुई नेशनल पैरा रोड एंड ट्रैक साइकिलिंग चैंपियनशिप 2026 में प्रवीण कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम किए। इस दमदार प्रदर्शन के चलते उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए। सीआरसी ग्रुप की सीएसआर पहल स्पिरिट ऑफ नोएडा के तहत भारतीय पैरा साइकिलिस्ट प्रवीण कुमार एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का परचम लहराने के लिए तैयार हैं।

आगा का रनआउट खेल के नियमों के अनुरूप थाःएमसीसी

लंदन। खेल नियमों के संरक्षक मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने ढाका में बंगलादेश के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच के दौरान पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा के विवादित रन-आउट पर कहा है कि यह पूरी तरह खेल के नियमों के अनुरुप था। हालांकि उसने यह भी सुझाव दिया कि बंगलादेश 'स्पिरिट ऑफ क्रिकेट' (खेल की भावना) के आधार पर अपनी अपील वापस ले सकता था। एमसीसी ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा, खेल के नियमों का संरक्षक एमसीसी ने कहा कि अंपायरों का आगा को आउट देना सही था। उन्होंने कहा कि बल्लेबाज ने स्वयं गेंद उठाने की कोशिश करके, गेंद को रोकने के कारण आउट होने का जोखिम मोल ले लिया था। नियमों के तहत, अंपायर इससे अलग कुछ और नहीं कर सकते थे। जब विकेट गिरा, तब नॉन-स्ट्राइकर साफ तौर पर अपनी क्रीज से बाहर थे, और गेंद अभी भी खेल में थी। इसलिए, यह आउट है।

उन्होंने कहा, गेंद के 'डेड' (निष्क्रिय) होने का तो कोई सवाल ही नहीं था और अक्टूबर में जब नया 'डेड-बॉल' नियम लागू होगा। जो अंपायरों को यह तय करने का अधिक अधिकार देता है कि गेंद 'पूरी तरह से कब स्थिर हो गई है' तब भी यही स्थिति बनी रहेगी। इसलिए, इस बात का कोई आधार नहीं है कि नियमों के अनुसार यह फैसला नॉट-आउट होना चाहिए था, और न ही।

उन्होंने कहा, कुछ सुझाव आए हैं कि गेंद को 'डेड' मान लिया जाना चाहिए था। नियमों के तहत यह संभव नहीं है; जब खिलाड़ी आपस में टकराते हैं तो गेंद 'डेड' नहीं हो जाती - अगर ऐसा होता, तो खिलाड़ी ऐसी स्थितियों में जान-बूझकर टकराने की कोशिश करते, जब उन्हें इससे फायदा हो सकता था। गंभीर चोट का कोई खतरा नहीं था, इसलिए इस आधार पर 'डेड बॉल' का फैसला नहीं दिया जा सकता था। अंपायर के लिए यह स्पष्ट तौर पर समझना मुश्किल था कि क्या सभी खिलाड़ियों ने गेंद को खेल से बाहर मान लिया है, क्योंकि मेहदी को साफ तौर पर लग रहा था कि गेंद अभी भी सक्रिय है, भले ही आगा को ऐसा न लगा हो। और गेंद न तो गेंदबाज के हाथों में पूरी तरह से स्थिर हुई थी और न ही विकेटकीपर के, क्योंकि वह जमीन पर पड़ी थी।

उल्लेखनीय है कि ढाका में बंगलादेश के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच के दौरान मेहदी, मोहम्मद रिजवान के शॉट को रोकने के लिए पिच पर दौड़ रहे थे, जबकि आगा नॉन-स्ट्राइकर छोर पर पीछे हट रहे थे। जब मेहदी गेंद उठाने की प्रयास कर रहे थे, तो आगा भी नीचे झुके, ऐसा लग रहा था कि वे स्वयं गेंद उठाकर गेंदबाज को देना चाहते थे। लेकिन इससे पहले कि वे ऐसा कर पाते, मेहदी तेजी से गेंद पर झपटे और उसे स्टंप्स की ओर उछाल दिया, जबकि आगा अपनी क्रीज से बाहर थे।

बीमारी के कारण राडुकानू मियामी ओपन से हटीं

फ्लोरिडा (अमेरिका)। बीमारी के कारण ब्रिटेन की स्टार टेनिस खिलाड़ी एम्मा राडुकानू ने इस सप्ताह शुरु होने वाले मियामी ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है।

ब्रिटेन की नंबर एक खिलाड़ी राडुकानू ने पिछले महीने मध्य-पूर्व में खेलते समय बीमार पड़ गई थीं और अभी भी वह वायरल के बाद होने वाले लक्षणों से जूझ रही हैं। फ्लोरिडा के मियामी गार्डन्स में 17 से 29 मार्च तक होने वाले इस टूर्नामेंट के पहले दौर में उन्हें बाय (सीधे अगले दौर में प्रवेश) मिला था।

24 साल की इस खिलाड़ी को पहले राउंड में अमेरिकी खिलाड़ी पेटन स्टर्न्स के खिलाफ खेलना था, लेकिन उन्होंने टूर्नामेंट से हटने का निर्णय लिया। दूसरी ओर मियामी ओपन के पहले राउंड में ब्रिटेन की फ्रैन जोन्स का मुकाबला अमेरिका की महान खिलाड़ी वीनस विलियम्स से होगा।

उल्लेखनीय है कि राडुकानू ने पिछले सप्ताह इंडियन वेल्स में हुए टूर्नामेंट में खेलने का फैसला किया था। वह तीसरे दौर तक पहुंचीं, लेकिन वहां उन्हें दुनिया की छठी रैंक वाली खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा के हाथों महज 52 मिनट में हार का सामना करना पड़ा था।

नीलम सिरोही की नजरें एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप पर

नयी दिल्ली। जाग्रेब ओपन 2026 में रजत पदक जीतने वाली महिला पहलवान नीलम सिरोही ने कहा कि वह किर्गिस्तान के बिश्केक में होने वाली एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप (सीनियर) के लिए जोरदार तैयारी कर रही है।

'फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल' कार्यक्रम के दौरान रविवार को यूनीवार्ता से बातचीत में नीलम ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह बेहद प्रतिस्पर्धी एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी (ट्रायल्स में चुने जाने के बाद), क्योंकि उन्हें लगता है कि यह स्पर्धा एशियन गेम्स की तैयारी के लिए एक अहम कदम होगा।

नीलम, जिन्हें 'टारगेट एशियन गेम्स ग्रुप' (टीएजीजी) के जरिए सरकारी मदद मिल रही है, अभी नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में चल रहे भारतीय शिविर का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, अभी मैं भारतीय शिविर का हिस्सा हूं। कुछ ही दिनों में एशियन चैंपियनशिप

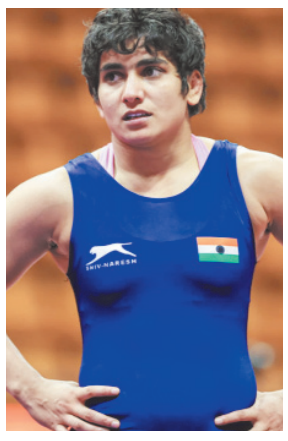

के ट्रायल्स होंगे, मुझे उम्मीद है कि अगले महीने मैं चैंपियनशिप में हिस्सा ले पाऊंगी। एशियन गेम्स में हमारे मुख्य प्रतिद्वंद्वियों का आकलन करने के लिए यह एक अहम टूर्नामेंट होगा।

नीलम ने जापान की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता यूई सुसाकी सराहना करते हुए कहा, वह मेरी पसंदीदा खिलाड़ी हैं, उनकी तकनीकी क्षमताएं बहुत अच्छी हैं, और वह बहुत तेज गति से तकनीकों का इस्तेमाल करती हैं, जिससे उनके दांव बहुत असरदार हो जाते हैं।

उन्होंने कहा, मैं पहलवानों के परिवार से आती हूं, मेरे पिता, चाचा और दादा, सभी पहलवान थे। मैं बहुत कम उम्र से ही पहलवान बनना चाहती थी, मेरे पिता ने मेरा साथ दिया। उन्होंने मुझसे पूछा नहीं, बल्कि सबको बताया कि मैं एक पहलवान बनूंगी।

आईजी स्टेडियम में चल रहे प्रशिक्षण शिविर की देखरेख कर रहीं भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) की कोच भारती ने कहा कि उन्हें कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप में ढेर सारे पदक जीतने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, हम अपने पहलवानों की गति बढ़ाने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। हमारे पास एक मजबूत टीम है और मुझे उम्मीद है कि वे सभी पदक जीतेंगे, जिनमें से अधिक स्वर्ण पदक होंगे।

घुटने में चोट के कारण बेवन जैकब्स दूसरे टी-20 से हुए बाहर

हैमिल्टन। न्यूजीलैंड के मध्यमक्रम के बल्लेबाज बेवन जैकब्स अपने बाएं घुटने में चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी-20 मुकाबले से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह टीम में अनकैप्ड खिलाड़ी कैटेन क्लार्क को शामिल किया गया है। 23 साल के जैकब्स माउंट माउंगानुई में खेले गए पहले टी-20 के दौरान क्षेत्ररक्षण करते समय अपने बाएं घुटने के बल गिर पड़े थे, जिसके बाद उन्हें मैदान से बाहर ले जाना पड़ा। उनके घुटने का स्कैन किया गया, जिसमें पता चला कि उनके घुटने के एक तरफ हड्डी में चोट (बोन ब्रूजिंग) लगी है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने एक बयान में कहा, जैकब्स के मैदान पर वापसी की समय-सीमा तय करने के लिए अभी और जांच की आवश्यकता है। क्लार्क ने सुपर स्मैश टूर्नामेंट में नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी, जहां वह सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे थे। 26 साल के इस दाएं हाथ के ओपनर ने नौ पारियों में कुल 431 रन बनाए, जिसमें ओटागो के खिलाफ एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं।

न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 68 रनों से हराया

हैमिल्टन। डेवन कॉन्वे (60) की अर्धशतकीय पारी के बाद लॉकी फार्ग्युसन और बेन सीयर्स (तीन-तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने मंगलवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 68 रनों से मात दी। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने पांच मैचों सीरीज 1-1 से बराबर कर ली हैं। डेवन कॉन्वे को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। 176 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे 15.3 ओवरों में 107 रन ही बना सकी और 68 रनों मुकाबला हार गई। दक्षिण अफ्रीका के लिए जॉर्ज लिंडे ने 12 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 33 रन बनाये। इसके अलावा रूबिन हरमन (19), वियान मुल्डर (16), जेसन स्मिथ (13) और जेसन स्मिथ (10) रन बनाकर आउट हुये। शेष बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके।

न्यूजीलैंड के लिए लॉकी फार्ग्युसन और बेन सीयर्स तीन-तीन विकेट लिये। मिचेल सैंटनर को दो विकेट मिले। जिमी नीशम और कोल मैककोन्ची ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 175 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया।

स्पेशल खबर जेके बोस इंटर-जोनल टी-20 चैंपियन नॉर्थ जोन को ट्रॉफी और नकद पुरस्कार, खेल पत्रकारिता के गोल्डन जुबली कन्वेंशन में हुआ सम्मान

डीडीसीए ने उत्तर क्षेत्र टीम को पांच लाख रुपये का पुरस्कार घोषित किया

नयी दिल्ली। दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली ने जेके बोस इंटर-जोनल टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट की चैंपियन उत्तर क्षेत्र टीम के लिए पांच लाख रुपये के नगद पुरस्कार की घोषणा की है।

अरुण जेटली स्टेडियम में सोमवार को स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजेएफआई) के गोल्डन जुबली एडिशन का नेशनल कन्वेंशन समापन समारोह में डीडीसीए के अध्यक्ष रोहन जेटली ने विजेताओं को ट्रॉफी दी और जेके बोस इंटर-जोनल टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट की चैंपियन टीम, नॉर्थ जोन के लिए पांच लाख के नकद इनाम का ऐलान किया।

रोहन जेटली ने कहा, चूंकि नॉर्थ जोन जीता है, इसलिए एसोसिएशन की ओर से मैं जीतने वाली टीम के लिए पांच लाख के नकद इनाम का ऐलान करना चाहूंगा।

क्रिकेट प्रशासन और पत्रकारिता समीक्षाओं के बीच संतुलन बेहद जरूरी है। चाहे वह आलोचना हो या फीडबैक, एक प्रशासक के लिए यह बेहद जरूरी है। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि हम कहां गलती कर रहे हैं। अपनी गलतियों को जानना और उनमें सुधारना जरूरी है।

कन्वेंशन के पहले दिन खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे और खेल सचिव हरि रंजन राव ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई और देश भर से आए पत्रकारों को संबोधित किया। पत्रकारों के साथ शनिवार को सांसद अनुराग ठाकुर के साथ एक विशेष बातचीत की। इस कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष और राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला और भारतीय तीरंदाजी संघ के मानद महासचिव वीरेंद्र सचदेवा शामिल हुए।

दिल्ली स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष अभिषेक त्रिपाठी ने कहा, राजधानी में गोल्डन जुबली कन्वेंशन की मेजबानी करना डीएसजेए के लिए एक बहुत बड़ा सम्मान रहा है। हमारा लक्ष्य एक ऐसा माहौल बनाना था जहां पत्रकार बिरादरी अपनी विरासत का जश्न मना सके और साथ ही उन खेलों का भी आनंद ले सके जिनकी हम प्रतिदिन रिपोर्टिंग करते हैं।

स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सरजू चक्रवर्ती ने कहा, पचास साल पूरे करना भारत में खेल पत्रकारिता के लचीलेपन का एक प्रमाण है। इस कन्वेंशन ने हमारे इतिहास का जश्न मनाया और साथ ही भविष्य के लिए एक प्रगतिशील दिशा भी तय की।

इंटर-यूनिवर्सिटी आर्म-रेसलिंग में एलएनसीटी के हिमांशु का दबदबा, दो स्वर्ण पदक जीते

भोपाल। राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में 11 से 15 मार्च तक आयोजित ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी आर्म-रेसलिंग चैंपियनशिप में एलएनसीटी विश्वविद्यालय के छात्र हिमांशु घुसर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। बीपीईएस प्रथम वर्ष के छात्र हिमांशु ने 55 किलोग्राम वर्ग में राइट-हैंड फाइनल में मिज़ोरम विश्वविद्यालय, आइज़ॉल के खिलाड़ी को पराजित कर पहला स्वर्ण जीता, जबकि लेफ्ट-हैंड फाइनल में केरल विश्वविद्यालय, कालिकट के प्रतिद्वंद्वी को हराकर दूसरा स्वर्ण अपने नाम किया। इस उपलब्धि से उन्होंने अपनी प्रतिभा

और कड़ी मेहनत का परिचय दिया। विश्वविद्यालय परिवार ने हिमांशु को शुभकामनाएँ देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।